दैनिक
उत्तराखण्ड प्रहरी

वर्ष 15 /अंक 38 / पृष्ठ 8
हरिद्वार, शुक्रवार, 07 अप्रैल 2023
uttarakhandprahari19@gmail.com / e-paper: uttarakhandprahari.com
उत्तराखण्ड का सबसे विश्वसनीय मीडिया पार्टनर
RNI No. : - UTTHIN/2009/27592

क्या विस्थापितों का दर्द समझेगी सरकार
भाजपा ने मनाया अपना 43 वां स्थापना दिवस ...

मूल्य- 2 रु.

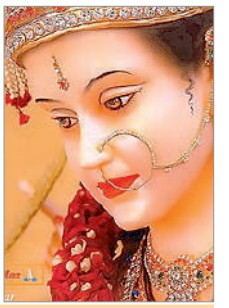

मुख्यमंत्री धामी ने 09 हैल्थ एटीएम तथा 40 टू नेट मशीनों का किया लोकार्पण

टू नेट मशीनों के माध्यम से टी.बी, कोविड सहित विभिन्न रोगों की जांच निःशुल्क

ठीमोग्लोबिन, ब्लड शुगर, ब्लड प्रेशर, युरिक ऐसिड, कॉलेस्ट्रॉल, किडनी टेस्ट सहित 72 तरह के हैल्थ टेस्ट आमजन के लिए निःशुल्क।

मुख्यमंत्री धामी ने की देशभर के निजी संगठनों व कम्पनियों से कॉरपॉरेट सोशल रिस्पॉन्सबिलिटी के तहत स्वास्थ्य, शिक्षा एवं स्वच्छता के क्षेत्र में मदद की अपील।

उत्तराखंड प्रहरी ब्यूरो

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने गुरूवार को सचिवालय में जे के टायर लिमिटेड कम्पनी तथा यस बैंक द्वारा सीएसआर के तहत लगाये गये हैल्थ एटीएम का लोकार्पण किया। यस बैंक द्वारा सचिवालय डिसपेंसरी, विधान सभा डिसपेंसरी तथा टनकपुर चिकित्सालय में एक-एक हैल्थ एटीएम स्थापित किये गये हैं। इसके साथ ही जे0 के0 टायर कम्पनी द्वारा पुलिस लाइन, जे0एल0एन0 जिला चिकित्सालय, जिला चिकित्सालय नैनीताल, सयुंक्त चिकित्सालय टनकपुर, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, जसपुर, उप जिला चिकित्सालय, रानीखेत, अल्मोड़ा में एक-एक हैल्थ एटीएम स्थापित किये गये हैं।

इन 09 हैल्थ एटीएम के माध्यम से आम जनमानस द्वारा स्वयं अपने विभिन्न स्वास्थ्य परीक्षण किए जा सकेंगे, इनमें हीमोग्लोबिन, टीएलसी एण्ड डीएलसी, ब्लड शुगर, ब्लड प्रेशर, युरिक ऐसिड, कॉलेस्ट्रॉल, एचबीएसी, ब्लड ग्रुप, लिपिड प्रोफाइल, ट्राईगिलसाइड, लाइकोप्रोटिन, प्रेगनेन्सी टेस्ट तथा किडनी टेस्ट आदि सहित कुल 72 टेस्ट किए जा सकते हैं। इन हैल्थ एटीएम पर यह जाँच सुविधा निःशुल्क रहेगी। इस सम्बन्ध में स्वास्थ्य विभाग द्वारा जनमानस से अपील की गई है कि इन हैल्थ एटीएम की जाँच के नतीजे के आधार पर स्वयं औषधि न लें। परिणाम सामान्य न होने पर चिकित्सक का परामर्श अवश्य लें। इसके साथ ही इस अवसर पर सचिवालय में स्वास्थ्य विभाग तथा आईओसीएल, यस बैंक तथा जेके टायर के अधिकारियों के साथ बैठक के दौरान मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की उपस्थिति में महानिदेशक स्वास्थ्य तथा उक्त कम्पनियों के मध्य स्वास्थ्य क्षेत्र में सहयोग हेतु एमओयू पर भी हस्ताक्षर किये गये। इस अवसर पर मुख्यमंत्री धामी ने इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन लिमिटेड के सौजन्य से सीएसआर के तहत राज्य के सभी ब्लॉकों में उपलब्ध कराई जाने वाली 40 टू नेट मशीनों का भी लोकार्पण किया। इन टू नेट मशीनों की सहायता से टी0बी0, कोविड तथा अन्य रोगों की जांच में सहायता मिलेगी।

यह मशीनें राज्य के 40 दूरस्थ स्थानों में क्रियाशील रहेंगी। बैठक में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि स्वास्थ्य विभाग तथा यस बैंक, आईओसीएल व जे के टायर इन हैल्थ एटीएम तथा टू नेट मशीनों के इस पहल के लिए बधाई के पात्र हैं। आईओसीएल द्वारा प्रदेश के सभी ब्लॉकों के लिए 40 टू नेट मशीनों की उपलब्धता से हमारे राज्य में इस दिशा में 100 प्रतिशत का लक्ष्य पूरा हो गया है।

इन सुविधाओं से आमजन की न केवल समय की बचत होगी बल्कि धन की भी बचत होगी। लोगों में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ेगी।

उत्तरकाशी में भूकंप के झटके महसूस किए गए

उत्तराखंड प्रहरी ब्यूरो

देहरादून। भूकंप के लिहाज से संवेदनशील देहरादून में पहली बार मसूरी-देहरादून विकास प्राधिकरण (एमडीडीए) ने डिजिटल मास्टर प्लान में फाल्ट लाइन प्रभावित क्षेत्रों को चिन्हित किया है। इन इलाकों में बहुमंजिला भवन बनाना प्रतिबंधित रहेगा। साथ ही भवन निर्माण का पैमाना भी तय कर दिया गया है। चीफ टाउन प्लानर ने बताया कि यह पहला मौका है, जब देहरादून के डिजिटल मास्टर प्लान में फ्रंटलाइन एरिया को चिन्हित किया गया है। दून घाटी में राजपुर रोड, सहस्त्रधारा और शहंशाही आश्रम से मेन बाउंड्री थ्रस्ट फाल्ट लाइन और मोहंड के आसपास के इलाके से हिमालयन फ्रंट थ्रस्ट फाल्ट लाइन गुजरती है। इसके अलावा विभिन्न क्षेत्रों में 29 अन्य भूकंपीय फाल्ट लाइनें हैं। इसके तहत, भूकंप के लिहाज से सुरक्षित मकान बनाए जा सकेंगे और नक्शा पास करने में फाल्ट लाइन का खास ध्यान रखा जाएगा। दून घाटी में राजपुर रोड, सहस्त्रधारा और शहंशाही आश्रम से मेन बाउंड्री थ्रस्ट फाल्ट लाइन और मोहंड के आसपास के इलाके से हिमालयन फ्रंटल थ्रस्ट फाल्ट लाइन गुजरती है। इसके अलावा विभिन्न क्षेत्रों में 29 अन्य भूकंपीय फाल्ट लाइनें हैं। एमडीडीए ने उन सभी क्षेत्रों को फ्रंटलाइन के तौर पर चिन्हित किया है। चीफ टाउन प्लानर शशि मोहन श्रीवास्तव ने बताया कि यह पहला मौका है, जब देहरादून के डिजिटल मास्टर प्लान में फ्रंटलाइन एरिया को चिन्हित किया गया है। अब इन इलाकों में फाल्ट लाइन के खतरों से बचाने में सक्षम भवनों का निर्माण हो सकेगा। वहीं, बहुमंजिला भवनों के नक्शे पास नहीं होंगे। अधिकतम ग्राउंड प्लस दो फ्लोर के मकान ही बनाए जा सकेंगे।

नेशनल सेंटर फॉर सिस्मोलॉजी ने इसकी जानकारी दी। रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 3.0 दर्ज की गई है।

यह है फाल्ट लाइन

पृथ्वी की सबसे बाहरी परत सात बड़े टुकड़ों से बनी है। इन्हें टेक्टोनिक प्लेट्स कहते हैं। इनकी सीमाएं फाल्ट लाइन कहलाती हैं। पृथ्वी की सतह में एक लंबी दरार है। भूकंप आमतौर पर फॉल्ट लाइन के बीच किसी भी तरह की हलचल से आता है। जब प्लेट टकराती हैं तो घर्षण की वजह से ऊर्जा बाहर निकलने की कोशिश करती है। इससे जो हलचल होती है, उससे भूकंप आता है। देहरादून के बीच से यह फाल्ट लाइन गुजरती है।

भूकंप से बचाती हैं ये विधियां

बेस आइसोलेशन : इसमें इमारत के नीचे रबर, स्टील और लेड के आइसोलेटर्स लगाए जाते हैं। यह विधि भूकंपीय तरंगों को अवशोषित करने में प्रभावी है। यह तरंगों को इमारत में आगे बढ़ने से रोकता है।

शीयर वॉल : शीयर वॉल इमारतों को बनाने की प्रभावी तकनीक है। इससे भूकंप के झटके को रोकने में मदद मिलती है। यह कई पैनलों से बनी होती है। भूकंप के दौरान इमारत को टिके रहने में मदद करती है।

मोमेंट रेसिस्टेंट फ्रेम्स :

मोमेंट रेसिस्टेंट फ्रेम्स बिल्डिंग के डिजाइन में प्लास्टिसिटी प्रदान करता है। इसे इमारत के जोड़ों के बीच रखा जाता है। इसके अलावा यह बीम और स्तंभों को मोड़ने में सक्षम बनाता है।

सिद्धार्थ मल्होत्रा जॉन प्लेयर्स के ब्रांड एंबेसडर

चंडीगढ़। पुरुषों के लिए जॉन प्लेयर्स एक सबसे फैशन प्वाइंट है। इसने आज सिद्धार्थ मल्होत्रा को एक नए चेहरे के रूप में शामिल किया है। इस घोषणा के साथ ही अब इसमें स्प्रिंग समर-2023 के लिए कलेक्शन होगी। ब्रांड अब नए अवतार के रूप में पेश होने वाला है। अब इस ब्रांड के प्राडक्ट नई पीढ़ी के लिए जगह-जगह उपलब्ध होने वाले हैं। अब पूरे वल्ड में ब्रांड को उपलब्ध करवाने की योजना है। हम ऐसा मानते हैं कि जो आप पहनते हैं वही आपके व्यक्तित्व को प्रस्तुत भी करता है। हम एक व्यक्ति से लेकर वल्ड तक पहुंच बना चुके हैं। इनमें रियल लाइफ से लेकर रील लाइफ तक शामिल है। यानी हमारे इस ब्रांड को हर कोई पसंद कर रहा है। इस मौके पर बिजनेस हैड नितिन सहगल ने बताया कि इस ब्रांड की खोज परफेक्ट स्पोक्समैन और एंबैसडर सिद्धार्थ मल्होत्रा ने की थी। वे एक आइकॉन के रूप में स्थापित हैं।

आवश्यक सूचना

'उत्तराखंड प्रहरी' के सभी पाठकों को सूचित किया जाता है कि आप अपने प्रिय अखबार 'उत्तराखंड प्रहरी' महाभियान में शामिल हो सकते हैं। आप अपने द्वारा लिखी गई कोई भी संरचना, कविता, कहानी, लेख या कार्यक्रम हमसे साझा कर सकते हैं। अच्छे लेख व कहानी को 'उत्तराखंड प्रहरी' में उचित स्थान दिया जाएगा। आप अपने प्रियजनों को जन्मदिन, सालगिरह या अन्य शुभ अवसरों पर बधाई संदेश भी दे सकते हैं।

आप हमें ईमेल

uttarakhandprahari19@gmail.com या whatsup no 8077771906 पर भी भेज सकते हैं।

संपादकीय

दंगे की नियति यही है?

23 मई, 1987 को पश्चिमी उप्र में मेरठ के मलियाना में भीषण दंगे हुए थे। दंगे क्या, हम उन्हें 'नरसंहार' करार देते हैं, क्योंकि 68 मासूम लोगों की हत्याएं कर दी गई थीं। करीब 106 घरों को जला दिया गया था। नुकसान और मौत का कोई आकलन किया जा सकता है क्या? अब करीब 36 साल बाद अदालत का फैसला आया है, तो सभी ज़िंदा 40 आरोपियों को 'बरी' घोषित कर दिया गया है। यह न्याय है या विडंबना अथवा दंगों की नियति, परिणति यही होती है! यदि इस फैसले को ऊपरी अदालत में चुनौती दी जाती है, तो न जाने कितने और साल बर्बाद होंगे? हम मलियाना अथवा हाशिमपुरा के पुराने दंगों की तुलना पश्चिम बंगाल, बिहार, महाराष्ट्र, गुजरात में भड़की हालिया सांप्रदायिक हिंसा से नहीं करना चाहते। तुलना की भी नहीं जा सकती। बंगाल के हावड़ा, हुगली और बिहार के सासाराम, नालंदा आदि इलाकों में हिंसा और दंगे लगातार 3-4 दिन तक जारी रहे। सुलगन आज भी महसूस की जा सकती है। यह गंभीर चिंता का सबब है।

सवाल भी उठते हैं कि राम नवमी शोभा-यात्रा, हनुमान जयंती और ऐसे ही हिंदूवादी त्योहारों के मौके पर बंगाल, बिहार क्यों दहकने लगते हैं? ऐसे धार्मिक आयोजन तो भारतीय जीवन के महत्त्वपूर्ण आयाम हैं। मुसलमान भी मुहर्रम, ताजिया पर जुलूस निकालते हैं। सभी को संविधान ने यह धार्मिक आज़ादी दी है। उप्र में 20 फीसदी मुसलमान सर्वाधिक आबादी हैं, लेकिन वह लगभग दंगा-मुक्त राज्य बन चुका है। हिंदू और मुसलमान दोनों ही भारत के नागरिक हैं और दोनों के समान मौलिक अधिकार हैं। फिर बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने यह सवाल क्यों किया कि क्या राम ने हथियार लाने को कहा था? यह हिंदू भगवान और आस्थाओं का अपमान है।

क्या ममता का यह मानना है कि हिंदू आबादी हथियारबंद थी और उसी ने राम नवमी की शोभा-यात्रा के मौके पर हिंसा भड़काई? यदि केंद्रीय ताकतें बाहर से गुंडे लाईं और दंगे कराए, तो ऐसे दंगाइयों को चिह्नित कर जेल में डालना भी ममता सरकार का दायित्व है। राज्यपाल सीवी आनंद बोस को सडक़ पर उतर कर दंगा, हिंसाग्रस्त इलाके का दौरा करना पड़ा। राज्यपाल ने दो टूक शब्दों में कहा है कि दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी, लेकिन राज्यपाल के पास ऐसा कोई संवैधानिक, आपराधिक अधिकार ही नहीं है, क्योंकि कानून-व्यवस्था के कार्यकारी अधिकार तो मुख्यमंत्री के पास होते हैं। दंगों और उसके बाद की परिस्थितियों पर मुख्यमंत्री ही कोई निर्णय ले सकता है।

पुलिस उसका पालन करने को बाध्य है। सवाल यह भी है कि क्या हिंदू हिंदुओं के साथ ही लड़ते रहे, उन्हें मारते रहे, पथराव और आगजनी कर सार्वजनिक संपत्ति को जलाते रहे? क्या हिंदुओं ने ही मुसलमानों पर बम, बंदूक, पत्थर से हमले किए? क्या ममता ने इसीलिए भगवान राम वाला बयान दिया? चूंकि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को केंद्रीय गृह मंत्रालय और कोलकाता उच्च न्यायालय को रपटें भेजनी हैं, तो इन सवालों के सटीक स्पष्टीकरण देने ही होंगे। उधर बिहार लगातार जलता रहा है। जलता, भस्म होता और लहू-लुहान बिहार मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के 'सुशासन' का ज्वलंत उदाहरण है।

जलाओ दिमाग की बत्ती

पीके खुराना

आज हमारा जीवन बहुत व्यस्त है और करिअर की दौड़ में सरपट भागते हुए हम सोच ही नहीं पा रहे कि हम जीवन में क्या खो रहे हैं। एकल परिवार में कामकाजी दंपति के बच्चे अकेलापन महसूस करने पर टीवी और प्ले स्टेशन में व्यस्त होने की कोशिश करते हैं। भावनात्मक परेशानियों से जूझ रहा बच्चा एक बार इनका आदी हो जाए तो वह कई स्वास्थ्य समस्याओं का शिकार हो जाता है। किशोर अथवा युवा होते बच्चे भी व्यायाम के बजाय डिस्कोथेक के रेशमी अंधेरों व चौंधियाने वाली रोशनियों में गुम हो रहे हैं

जनसामान्य में पीजीआई के नाम से प्रसिद्ध चंडीगढ़ स्थित चिकित्सा शिक्षा एवं शोध के स्नातकोत्तर संस्थान 'पोस्टग्रैजुएट इंस्टीट्यूट ऑव मेडिकल एजुकेशन एंड रिसर्च' से जुड़े तीन अलग-अलग अध्ययनों ने मेरे दिमाग की बत्ती जलाई है और मुझे उम्मीद है कि ये अध्ययन कुछ और लोगों के दिमाग की बत्ती भी जला सकते हैं। हास्य की दुनिया के बेताज बादशाह रहे स्वर्गीय जसपाल भट्टी ने अपने प्रसिद्ध कार्यक्रम उलटा-पुलटा के एक शो में आधुनिक जीवन की विकृति को चित्रित करते हुए बताया था कि आज के बच्चे खेल के नाम पर कंप्यूटर गेम्स या प्ले स्टेशन गेम्स में खोये रहते हैं और इस कारण शारीरिक गतिविधियों और व्यायाम से उनका नाता टूट गया है जिसके कारण उन्हें छोटी उम्र में ही स्वास्थ्य संबंधी परेशानियां झेलनी पड़ रही हैं। आज लगभग हर घर में केबल टेलिविजन सुविधा उपलब्ध है, यानी हर रोज़, चौबीसों घंटे टीवी के किसी न किसी चैनल पर कोई न कोई मनोरंजक अथवा मनपसंद कार्यक्रम आ ही रहा होता है। हर कोई टीवी का दीवाना है। छोटे बच्चे कार्टून कार्यक्रमों में मस्त हो जाते हैं। मां-बाप इसे बड़ी सुविधा मानते हैं क्योंकि कार्टून शो में खोये बच्चे को कुछ भी और कितना भी खिलाना आसान होता है, बच्चा टीवी में व्यस्त हो जाता है और घर से बाहर नहीं जाता, शरारतें नहीं करता, फालतू की ज़िद नहीं करता। संपन्न आधुनिक शहरी घरों में बच्चों के लिए प्ले स्टेशन पोर्टेबल (पीएसपी) भी उपलब्ध हैं और बच्चे इनमें खोये रहते हैं। मां-बाप सोचते हैं कि बच्चा कार्टून ही तो देख रहा है, लेकिन वे उससे होने वाले दिमागी प्रभाव को नहीं समझ पाते। कार्टून शो में सीन बदलने की गति यानि फ्लिकरिंग इतनी तेज़ होती है कि कई बार बच्चे का दिमाग उसे पकड़ नहीं पाता और वह कन्फ्यूज़ हो जाता है। इससे बच्चे को उलटी होने जैसा महसूस हो सकता है। सीन बदलने के कारण रोशनी की तीव्रता तेजी से घटती-बढ़ती है, जिसे फ्लैशिंग कहते हैं। इससे भी बच्चों की आंखों पर गहरा नकारात्मक प्रभाव पड़ता है जिसे फोटोफोबिया कहा जाता है। लगातार कार्टून देखने वाले अथवा प्ले स्टेशन पर खेलने वाले बच्चे अक्सर इसीलिए बाद में थकान महसूस करते हैं और उन्हें मिरगी की शिकायत हो सकती है। सन 2012 में पीजीआई में पीडियाट्रिक मेडिसिन की प्रोफेसर डा. प्रतिभा सिंघी तथा पीजीआई के ही स्कूल ऑव पब्लिक हेल्थ के डा. सोनू गोयल ने शहर के दो दर्जन से अधिक स्कूलों में हुए एक सर्वेक्षण के परिणामों की पुष्टि करते हुए बताया कि बच्चों द्वारा लंबे समय तक कार्टून देखना अथवा प्ले स्टेशन पर खेलना उनकी सेहत के लिए खतरनाक है। अल्ज़ाइमर एक ऐसी बीमारी है जिससे ग्रस्त व्यक्ति रोज़मर्रा की साधारण चीजों को भी भूलने लगता है, मसलन अलमारी खोलनी हो तो फ्रिज खोलकर खड़े हो जाएं, बात करते समय भूल जाएं कि बातचीत का विषय क्या था, अपनी कोई बात समझाने के लिए किसी विशिष्ट घटना का जिक्र शुरू कर दें और यह भूल जाएं कि उस उदाहरण से समझाना क्या चाहते थे, हाथ में पकड़ी या गोद में पड़ी किसी चीज को इधर-उधर ढूंढ़ें। डिमेंशिया यानी दिमाग के तंतुओं के मरने के कारण होने वाली बीमारी अल्ज़ाइमर से बचने के लिए तथा स्मरण शक्ति के विकास के लिए आयुर्वेद ब्रह्मी बूटी के प्रयोग की सिफारिश करता है। पीजीआई में न्यूरोलाजी विभाग के तत्कालीन प्रोफेसर व मुखिया डा. सुदेश प्रभाकर के अनुसार चूहों पर किए प्रयोगों से डाक्टरों ने पाया था कि भूलने की बीमारी के इलाज के लिए ब्रह्मी बूटी सचमुच लाभदायक है और उन्होंने भूलने की बीमारी से ग्रस्त मरीजों पर ब्रह्मी बूटी के क्लीनिकल प्रयोग किए। इसके तहत डिमेंशिया से पीड़ित सौ मरीजों का चयन किया गया।

इनमें से 50 को परंपरागत एलोपैथी दवाएं दी गईं और बाकी 50 को ब्रह्मी से बनी दवाएं। फर्क यह है कि ब्रह्मी से बनी दवाओं की गुणवत्ता और पैकिंग आदि का जिम्मा पीजीआई के ही फार्माकोलाजी विभाग को दिया गया, जहां मान्य अंतरराष्ट्रीय मानकों का भी ध्यान रखा गया ताकि दवा के परिणाम अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पेश किए जा सकें।

इस परियोजना की देखरेख कर रही टीम में पीजीआई के न्यूरोलाजी विभाग के डाक्टरों के अलावा एक आयुर्वेदाचार्य को भी शामिल किया गया था। परिणामस्वरूप ब्राह्मी बूटी ने अपना असर दिखाया और मरीजों की हालत में काफी सुधार पाया गया। दिल्ली में रह रहीं डा. पूनम नायर ने चंडीगढ़ योग सभा के तत्वावधान में पीजीआई के साथ मिलकर विभिन्न बीमारियों से ग्रस्त मरीजों को योगासनों से इलाज की पद्धति का अध्ययन किया ही, साथ ही उन्होंने पीजीआई में कार्यरत नर्सों को भी योगासन के माध्यम से अपने कार्य में दक्षता लाने की शिक्षा दी। यह अध्ययन चिंता, तनाव और उदासी से ग्रस्त मरीजों, उच्च रक्तचाप (हाई ब्लड प्रेशर) से ग्रस्त मरीजों और काम के दबाव से ग्रस्त नर्सों पर आधारित था।

उत्तराखंड प्रहरी

कविता

कहानी फूल की...

हर एक फूल की अपनी विचित्र सी कहानी है,
क्या बचपन,क्या बुढ़ापा और क्या उसकी जवानी है।
कोई सजता बन माला गले शिव-भवानी के,
तो कोई बना किसी वीर की शहादत की निशानी है।
कहीं बढ़ाता सम्मान किसी का,तो कहीं करता उत्सवों में मेजबानी है।
कांटों से फूलों की दोस्ती सदियों पुरानी है,
बिन फूलों के तो 'बेदी' देखो हर बगिया वीरानी है।
एक हम ही नहीं,फूलों की तो ये सारी दुनिया दीवानी है।।

सचिन बेदी अधिवक्ता, हरिद्वार

क्या विस्थापितों का दर्द समझेगी सरकार

कहते हैं कि कुछ पाने के लिए कुछ खोना पड़ता है, पर कई बार ऐसा भी होता है कि लाभ तो सभी का होता है, पर खोना कुछ लोगों को ही पड़ता है। किसी समय जिला बिलासपुर के पुराने नगर में एक विशाल बाजार और बस्तियां थीं, जहां सैकड़ों परिवार खुशहाल जीवन व्यतीत कर रहे थे। पर भाखड़ा बांध प्रोजेक्ट के अंतर्गत उस नगर के स्थान पर आज गोविंद सागर झील है। देश ने विकास किया, दीपक के स्थान पर बिजली के बल्बों से पंजाब, हरियाणा, राजस्थान, हिमाचल प्रदेश रोशन हुए, पर इस बांध के लिए बिलासपुर के पुराने नगर के निवासियों को अपना बलिदान देकर विस्थापन का दर्द झेलना पड़ा। वे अपने हाट-घराट, खेत-खलिहान व पुराने साथियों को अभी तक नहीं भूल पाए।

आज विश्व का प्रत्येक देश तीव्र गति से विकास के पथ पर अग्रसर है। अगर कोई देश विकास पथ पर दो कदम पीछे रह गया तो समझो विश्व में पिछड़ गया। इस विकास व उन्नति के लिए व देश को समृद्धशाली बनाने के लिए बेशक हम पृथ्वी से अंधाधुंध छेड़छाड़ कर रहे हैं। कई बार हमें इसका खामियाजा भी भुगतना पड़ता है। पर आज का मानव कम से कम समय में अधिक से अधिक लाभ उठाना चाहता है। इसलिए यातायात के साधनों में भी द्रुतगति से बदलाव हो रहा है। बड़े-बड़े मैदानी राज्यों में तो फोरलेन या सिक्स लेन सडक़ें बनाना एक आम बात है क्योंकि समतल भूमि होने के कारण वहां यह काम आसानी से हो जाता है। पर पहाड़ी राज्यों में भी फोरलेन का काम जोर-शोर से आरंभ हो चुका है। किरतपुर-मनाली फोरलेन का निर्माण कार्य लगभग अपने अंतिम चरण में है। इसी के साथ मटौर-शिमला व मंडी-पठानकोट आदि फोरलेन निर्माण कार्य आरंभ करने के लिए प्रक्रिया जारी है। सर्वे करने वाली कई टीमें आ रही हैं। अभी तक तो इसकी जद में आकर बेघर होने वाले लोग निश्चिंत थे, पर जब सर्वे करने वाली एक टीम ने उनके मकानों के हर कमरे की नाप-नपाई आरंभ कर दी तो उस घर में रहने वालों के दिल डूबने से लगे।

एक मध्यमवर्गीय परिवार को अपने सपनों का महल बनाने में पूरा जीवन लग जाता है। घर जीवन में एक बार ही बनता है जिसे बड़े सुनियोजित ढंग, उमंग, शौक व दिल लगाकर बनाया जाता है। इसको बनाने में कभी-कभी कई वर्ष लग जाते हैं। एक-एक सामग्री बड़े सोच विचार, धन जोडक़र बड़ी दौड़-धूप करके लाई जाती है। गांव में तो मजदूर और मिस्त्री भी बड़े इंतजार के बाद मिल पाते हैं। इसको सजाने में भी समय लगता है। बड़े हर्षोल्लास से गृह प्रवेश किया जाता है। कुछ लोग अभी कुछ साल पहले ही सेवानिवृत्त होकर अपने सपनों के घर में शेष जीवन आराम से व्यतीत करने की मधुर उम्मीद से आते हैं क्योंकि सारी उम्र नौकरी के स्थानांतरण के कारण न जाने कितने स्थान व मकान बदले, तब कहीं जाकर अपने घर में रहने का शुभ अवसर मिला। पर जब उनकी आंखों के सामने उनके सपनों के नीड़ पर बुलडोजर चलाया जाता है तो आंखों के आगे अंधेरा छाने लगता है। बहुत ही मुश्किल होता है एक स्थान से दूसरे स्थान में बसना। कई परिवार तो अपने नौजवान बेटों-बहुओं के साथ रहते हैं जो मिलकर एक अन्य स्थान पर फिर से घर बना सकते हैं, पर कई परिवार ऐसे भी होते हैं जहां केवल एक बुजुर्ग दंपति अपने समाज के साथ मिलकर रह रहे होते हैं। बेटा-बहू शहर में नौकरी करते हैं और वहीं रहना चाहते हैं। वे अपना घर खोकर चिंता में पड़ जाते हैं। छत पर नियमित रूप से आने वाले पंछी ढूंढते हैं कि वह छत कहां खो गई जहां वे बाल-गोपाल संग चहचहाते थे और दाना-पानी लेते थे।

कविता सिसोदिया

वैधानिक सूचना

उत्तराखंड प्रहरी के संपादन में हम प्रयासरत है कि हमारी ओर से खबर में किसी भी प्रकार की कोई त्रुटि न हो। हमारी कोशिश है कि अखबार में छपी किसी खबर, रिपोर्ट, फीचर या लेख से व्यक्ति विशेष, संगठन या समुदाय की भावना को ठेस न पहुंचे। **उत्तराखंड प्रहरी** में प्रकाशित लेख, विश्लेषण और साभार, ली गई सामग्री के विचार संबंधित लेखकों और रचनाकारों के निजी विचार हैं, न कि अखबार के। अतः सभी पाठकों से आग्रह है कि वे किसी सूचना, समाचार, विज्ञापनों आदि के आधार पर कोई फैसला करने से पहले तथ्यों की स्वयं पुष्टि कर लें। उसके लिए किसी भी प्रकार से लेखक, संपादक, प्रकाशक, प्रिंटर या विक्रेता को उत्तरदायी नहीं ठहराया जा सकता है। तथा किसी भी कारोबारी और निज निर्णय के लिए **उत्तराखंड प्रहरी** जिम्मेवार नहीं होगा।

भाजपा ने मनाया अपना 43 वां स्थापना दिवस प्रधानमंत्री मोदी और भाजपा अध्यक्ष नड्डा ने किया संबोधन

उत्तराखंड प्रहरी ब्यूरो

देहरादून । मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने गुरुवार को बलबीर रोड स्थित भाजपा प्रदेश कार्यालय में भारतीय जनता पार्टी के स्थापना दिवस के अवसर पर ध्वजारोहण कार्यक्रम में प्रतिभाग किया तथा इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तथा भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे पी नड्डा के संबोधन को वर्चुअल माध्यम से सुना । बाद में, भाजपा प्रदेश कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि राष्ट्र सेवा के लिए समर्पित और राष्ट्र निर्माण के लिए संकल्पित विश्व के सबसे बड़े राजनीतिक दल-भारतीय जनता पार्टी के 43 वें स्थापना दिवस पर आप सभी को हार्दिक शुभकामनाएं ।

मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि वर्ष 2014 से अब तक आदरणीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सरकार निरंतर देश का सर्वांगीण विकास और वंचितों को उनके अधिकार देने का कार्य कर रही है। आदरणीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश की ख्याति चारों ओर बढ़ी है और दुनिया भारत को एक महाशक्ति के रूप में देख रही है। गरीबों के उत्थान की बात हो, सीमाओं की सुरक्षा हो, विभिन्न देशों के साथ कूटनीतिक संबंध हों या आर्थिक मुद्दे हों, आदरणीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने हर क्षेत्र में अपनी दूरदर्शिता और कुशलता का लोहा मनवाया है। हमारी प्रदेश सरकार ने भी कुछ दिन पूर्व ही अपने कार्यकाल के एक वर्ष पूर्ण किए हैं। बीते एक वर्ष में मैं और मेरी सरकार तो केवल एक माध्यम मात्र रहे, इन एक वर्षों में उत्तराखंड के विकास की ₹विजय गाथा₹ स्वयं उत्तराखंड की जनता लिख रही है। इस एक वर्ष के दौरान, हमने हर क्षण यह प्रयास किया है कि प्रदेश के सामने जो भी चुनौतियां हैं उन सभी का समाधान निकाला जाए और राज्य को विकास की राह पर आगे बढ़ाया जाए। भले ही अपने इस मनोरथ में हम पूर्ण रूप से अभी सफल नहीं हुए हैं परंतु हमारा लक्ष्य स्पष्ट है, हमारी दिशा सही है, हमारी गति उचित है और हमारा मंतव्य विशुद्ध है। उत्तराखंड को विकसित राज्य बनाने का जो ₹विकल्प रहित संकल्प₹ लेकर हम चल रहे हैं उसके कुछ पड़ाव हमने पार कर लिए हैं और कई पड़ाव अभी पार करने हैं। किसी भी सरकार के मूल्यांकन के लिये एक वर्ष का समय बहुत कम होता है, फिर भी मैं पूरे विश्वास के साथ कह सकता हूं कि इस एक वर्ष में हमने नए उत्तराखण्ड निर्माण के संकल्प को ध्यान में रखते हुए दिन - रात कार्य करने का प्रयास किया है। अंत्योदय परिवारों को तीन गैस सिलेंडर देने हों, प्रदेश की महिलाओं के लिये क्षैतिज आरक्षण की व्यवस्था को लागू करना हो, समान नागरिक संहिता का मसौदा तैयार करना हो, जबरन धर्मांतरण पर रोक के लिये कानून बनाना हो, नई शिक्षा नीति लागू करना हो, नई खेल नीति लागू करना हो, सख्त नकल विरोधी कानून बनाना हो, राज्य आंदोलनकारियों व उनके आश्रितों को सरकारी नौकरियों में 10 प्रतिशत का क्षैतिज आरक्षण देना हो। हमने इन सभी कठिन परंतु राज्य के लिए आवश्यक कार्यों को इतने कम समय में कर के दिखाया है।

बीजेपी सरकार देश को ताड़ने का कार्य कर रही है : कांग्रेस

उत्तराखंड प्रहरी ब्यूरो

हरिद्वार ।कांग्रेस कार्यकर्ताओं की बैठक का आयोजन टिहरी विस्थापित में किया गया। संयोजक सत्यपाल शास्त्री के नेतृत्व में जय भारत सत्याग्रह अभियान पर चर्चा की गई। इस अवसर पर कार्यकर्ताओ ने कहा कि 4 अप्रैल से 14 अप्रैल तक लगभग 10 सभाएं आयोजित की जा रही है। बीजेपी सरकार देश को ताड़ने का कार्य कर रही है। विपक्ष और जनता की आवाज को दबाया जा रहा है। सरकार बेरोजगारी, महंगाई पर काबू पाने में सक्षम नहीं हैं। कोई भी वर्ग सरकार से खुश नहीं है। जो भी सवाल करता है उसके खिलाफ झूठे मुकदमे दर्ज कर दिए जाते हैं। राहुल गांधी की सदस्यता समाप्त कर सरकार देश में डर का माहौल बना रही। जिसके खिलाफ कांग्रेस जनता के बीच जाकर आवाज उठाएगी। इस अवसर पर राजबीर सिंह चौहान, महेश प्रताप सिंह राणा, ओपी चौहान, बीएस तेजियान, अमित नौटियाल, कैलाश प्रधान, सुनील नौटियाल, केएल कपिल, सुखपाल सिंह, सीपी सिंह, आरएस पाल, बीएस नेगी, राजेंद्र श्रीवास्तव, बलदेव सिंह, शिव शंकर, लाल सिर, नीरज कुमार, अशोक कटारिया, मंजीत सिंह, राम आशीष यादय आदि उपस्थित थे।

गैर -इरादतन हत्या के दोषी पोते को 10 वर्ष का सश्रम कारावास , 10 हजार का जुर्माना

हरिद्वार ।पारिवारिक बटवारे की रंजिश में दादी को मारपीट कर छत से धक्का देकर मारने के मामले में प्रथम अपर सत्र न्यायाधीश संजीव कुमार ने पोते अमन को गैरइरादतन हत्या करने का दोषी पाते हुए 10 वर्ष सश्रम कारावास व 10 हजार रुपये जुर्माने की सजा सुनाई है। शासकीय अधिवक्ता सुकरमपाल सिंह ने बताया कि 22 मई 2018 की दोपहर में सिडकुल थाना क्षेत्र के गांव रावली महदूद निवासी संजय सिंह, उसके छोटे भाई धर्म सिंह व बड़े भाई राजबीर सिंह, उसकी पत्नी नरेशों, तीन पुत्र अमित, अमन उर्फ नाथीराम और सौरभ के बीच गाली गलौज व मारपीट हुई थी। उसी दिन शाम को छह बजे रिपोर्ट करता संजय, उसके छोटे भाई धर्म सिंह, माता परमी देवी व बड़े भाई राजबीर सिंह व उसके परिवार वालों के साथ दोबारा से मारपीट शुरू हो गई थी ।तभी बीच बचाव करने के लिए आई परमी देवी को आरोपी अमन उर्फ नाथीराम व उसके छोटे नाबालिग भाई सौरभ ने मारपीट व लात घुसो से मारकर छत से नीचे गिरा दिया था। घायलावस्था में परमीदेवी को सरकारी अस्पताल हरिद्वार में इलाज के लिए भर्ती कराया था ।जहां उपचार के दौरान उसकी मृत्यु हो गई थी।

हनुमान की भक्ति और शक्ति की महिमा अपरंपार: स्वामी आलोक गिरी

उत्तराखंड प्रहरी ब्यूरो

श्री बालाजी धाम में धूमधाम से मनाया गया हनुमान जन्मोत्सव समारोह

हरिद्वार। जगजीतपुर - जमालपुर रोड पर फुटबॉल ग्राउंड के समीप राज विहार कॉलोनी में स्थित श्रीबालाजी धाम सिद्धबली हनुमान, नर्मदेश्वर महादेव मंदिर में हनुमान जन्मोत्सव धूमधाम के साथ मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत हवन पूजन के साथ की गई इसके बाद हनुमान जी का विशेष श्रृंगार किया गया छप्पन भोग लगाने के उपरांत श्रद्धालुओं के लिए भंडारे का भी आयोजन किया गया। स्वामी आलोक गिरी महाराज ने कहा कि हनुमान की भक्ति और शक्ति की महिमा अपरंपार है भक्ति से उन्होंने भगवान राम के हृदय में अपनी विशेष पहचान बनाई। वहीं अपनी शक्ति से बड़े-बड़े असुरों का संहार किया।

उन्होंने कहा हनुमान को जीवित देवता की संज्ञा दी गई है जो सदैव संकट में भक्तों की मदद के लिए मौजूद रहते हैं। कार्यक्रम के दौरान मेयर अनीता शर्मा ने कहा कि जगजीतपुर में श्री बालाजी धाम आस्था का एक प्रमुख केंद्र बन गया है स्वामी आलोक गिरी की प्रेरणा से वर्ष बार यहां धार्मिक आयोजनों का सिलसिला जारी रहता है स्थानीय लोगों को एक साथ जोड़ कर आगे चलने में महाराज जी का कोई सानी नहीं है।

कार्यक्रम में नरेश शर्मा, पुजारी मनकामेश्वर गिरी, शंकर गिरी, हनी कुमार, मधुबन बाबा, नरेश गिरी, दिगंबर कृष्ण पुरी, विनोद गिरी, सुधांशु गिरी, स्वामी भगवान गिरी, शनि भगत मोतीराम, ओमप्रकाश मलिक, मोहन कुमार, पार्षद नागेंद्र राणा, राहुल शर्मा, अंकुर बिष्ट, अमित कश्यप, नीतीश चौधरी, ऋषि भारद्वाज, संजय चौधरी, कालका प्रसाद कोठारी, पंडित विनय मिश्रा, रोहित नेगी, संदीप प्रधान, सुमित भाटी, दिनेश वालिया, जितेंद्र चौधरी, विकास मास्टर, संजीव गुर्जर, शशि भारद्वाज, ऋषि भारद्वाज, संजय चौधरी, जगमोहन निहाल, हरीश चौधरी बड़ी संख्या में श्रद्धालु भक्त उपस्थित रहे।

दृढ़ निश्चय से बनता है मजबूत पंच : लवलीना

उत्तराखंड प्रहरी ब्यूरो

बह्माण्ड के पहले मुक्केबाज है हनुमान जी : बत्रा

टोक्यो ओलम्पिक 2020 में महिला मुक्केबाजी में पदक धारक सुश्री लवलीना बोरगोहाईन के साथ संवाद कार्यक्रम का हुआ आयोजन

हरिद्वार। एस.एम.जे.एन. पी.जी. कॉलेज में आज आन्तरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ द्वारा टोक्यो ओलम्पिक 2020 में महिला मुक्केबाजी में कांस्य पदक धारक तथा अर्जुन अवार्ड से सम्मानित सुश्री लवलीना बोरगोहाईन के साथ क्षमता विकास कार्यक्रम के अन्तर्गत 'खेल एवं अनुशासन' विषय पर एक संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में बोलते हुए लवलीना बोरगोहाईन ने कहा कि उत्तराखण्ड देवभूमि है और मैं किसी भी सफलता के पश्चात अवश्य ही इस देवभूमि में आना चाहती हूं और विशेषकर हरिद्वार तो साक्षात ईश्वर का घर है। उन्होंने छात्राओं को उत्साहित करते हुए कहा कि मानसिक मजबूती किसी भी खेल में आवश्यक है और इस दृढ़ निश्चय से ही मजबूत पंच बनता है। उन्होंने कहा कि विभिन्न प्रतियोगिताओं में उन्होंने चाहे वह विश्व मुक्केबाजी चैम्पियनशिप रही हो या टोक्यो ओलम्पिक उन्होंने मानसिक मजबूती से ही सफलता प्राप्त की है।

महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. सुनील कुमार बत्रा ने लवलीना के कालेज में आने पर आभार व्यक्त किया। डॉ बत्रा ने कहा कि मुक्केबाजी के पंच की तुलना पांच गुणों से की, दृढ़ निश्चय, पक्का इरादा, दूर दृष्टि, आत्मविश्वास और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा तथा इन सभी गुणों का समावेश लवलीना में है। डॉ बत्रा ने कहा कि इन गुणों से मिलकर ही एक अच्छा खेलकूद व्यक्तित्व उत्पन्न होता है। उन्होंने हनुमान जी को बह्माण्ड के पहले मुक्केबाज बताया । उन्होंने कहा कि रामचरितमानस के सुन्दर कांड में इसका उल्लेख मिलता है। उन्होंने हनुमान जन्मोत्सव के अवसर पर हनुमान जी को शारीरिक और मानसिक मजबूती का प्रेरक बताया। उन्होंने युवाओं का आह्वान किया कि वे हनुमान जी के चरित्र को अपने व्यक्तित्व में ढालें। इस अवसर पर एस.आई. सुश्री रीना शर्मा, उत्तराखण्ड महिला बोक्सिंग चैम्पियन, अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ. संजय कुमार माहेश्वरी, विनय थपलियाल, डॉ. जगदीश चन्द्र आर्य, डॉ. शिवकुमार चौहान, डॉ. रजनी सिंघल, डॉ. पल्लवी, डॉ. मोना शर्मा, डॉ. आशा शर्मा, डॉ. रेनू सिंह, श्रीमती रिचा मिनोचा, श्रीमती रिंकल गोयल, आस्था आनन्द, डॉ. सुगन्धा वर्मा, प्रियंका, डॉ. विजय शर्मा, दिव्यांश शर्मा, डॉ. विनीता चौहान, डॉ. मिनाक्षी शर्मा, डॉ. पूर्णिमा सुन्दरियाल, डॉ. पदमावती तनेजा, श्री विनीत सक्सेना, डॉ. अमिता मल्होत्रा आदि सहित कॉलेज के अनेक छात्र-छात्रा उपस्थित थे।

मंत्रिमंडल ने घरेलू गैस मूल्य निर्धारण दिशा-निर्देशों को मंजूरी दी

नईदिल्ली (वार्ता)। केंद्रीय मंत्रिमंडल की आर्थिक मामलों की समिति ने घरेलू गैस मूल्य निर्धारण दिशा निर्देशों को मंजूरी दे दी है जिससे कीमतों का निर्धारण अंतरराष्ट्रीय बाजार के अनुरूप होगा और उपभोक्ताओं को कुछ राहत मिलने की संभावना है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में गुरुवार शाम हुई आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति की बैठक में इस आशय के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई।

नए दिशा निर्देशों के अनुसार प्राकृतिक गैस की कीमत भारतीय क्रूड बास्केट की मासिक औसत का 10 प्रतिशत रहेगी और इस संबंध में हर महीने अधिसूचना जारी की जाएगी। नए दिशा निर्देशों का उद्देश्य घरेलू गैस उपभोक्ताओं के लिए स्थिर मूल्य प्रणाली सुनिश्चित करना है और साथ ही उत्पादन करने वाली कंपनियों को भी बाजार की प्रतिकूल परिस्थितियों से संरक्षण प्रदान करना है।

चार मंजिला मकान में आग लगने से चार बच्चों की मौत

देहरादून, (वार्ता)। उत्तराखंड के देहरादून जनपद में थाना त्यूनी क्षेत्रान्तर्गत और हिमाचल प्रदेश की सीमा पर स्थित एक चार मंजिला मकान में गुरुवार शाम आग लगने से चार बच्चों की मौत हो गयी। मौके पर राज्य आपदा मोचन बल (एसडीआरएफ), पुलिस के साथ उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश के अग्निशमन दल के कर्मचारी मौजूद हैं। राहत कार्य अभी तक जारी हैं। पुलिस और एसडीआरएफ सूत्रों के अनुसार आज शाम लगभग पांच बजे त्यूणी थाने से एक चार मंजिला मकान में गैस सिलेंडर फटने के कारण आग लगने की सूचना प्राप्त हुई। सूचना पर थाना त्यूणी, मोरी तथा हिमाचल प्रदेश से पुलिस बल तथा त्यूणी एवं मोरी दमकल स्टेशन से दमकल वाहन मौके पर पहुँचे। मकान लकड़ी का बना हुआ था, जिसमें गैस सिलेंडर फटने के कारण दमकल वाहनों के पहुंचने तक आग ने वीभत्स रूप धारण कर लिया गया था। यह घर शिक्षा विभाग से सेवानिवृत सूरत राम जोशी का बताया गया है। जिसमें मकान मालिक समेत छह परिवार रहते थे। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक आग लगने से घर में मौजूद एलपीजी सिलेंडर फटते रहे। जब तक आग पर काबू पाया गया तब तक घर में फंसी सोनम (09) रिद्धि, (10) मिष्टी (05) और सेजल ढाई वर्ष की मौत हो चुकी थी। जबकि तीन अन्य झुलस गए। सूत्रों के अनुसार मकान के निचले हिस्से में एक राशन का गोदाम, एक फर्नीचर की दुकान एवं एक सिलाई की दुकान थी। आग लगने की घटना में गोदाम एवं दोनों दुकानें और उनमें रखा सारा सामान भी जलकर राख हो गया। बताया जाता है कि घटनास्थल के पास ही एक अग्निशमन वाहन मौजूद था, लेकिन उसमें पानी नहीं था। साथ ही संबंधित कर्मचारी नशे में थे। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) देहरादून दलीप सिंह कुंवर के अनुसार मौके पर पहुंचे दमकल वाहनों ने आग को बुझाने का भरसक प्रयास करते हुए बमुश्किल आग पर काबू पाया। मकान में अत्यधिक धुंआ होने के कारण राहत एवं बचाव कार्य में बाधा आ रही है। मौके पर दमकल सेवा, एसडीआरएफ एवं पुलिस द्वारा राहत एवं बचाव कार्य जारी है। उन्होंने बताया कि घटना की उच्च स्तरीय जांच के निर्देश दे दिए गए हैं।

हनुमान जी सर्वसुलभ और सर्वप्रिय लोकदेव हैं। वे भक्तों की मनोकामना पूर्ण करने वाले हैं : राज्यपाल

उत्तराखंड प्रहरी ब्यूरो

हरिद्वार : राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से नि) ने गुरूवार को हरिद्वार के अवधूत मंडल आश्रम में आयोजित हनुमान जन्मोत्सव कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि प्रतिभाग किया। इस अवसर पर उन्होंने देवलोक मंदिर में संकट मोचन श्री हनुमान जी की पूजा-अर्चना कर प्रदेश वासियों की सुख-समृद्धि और खुशहाली के लिए कामना की। राज्यपाल ने देवलोक मंदिर में भगवान श्री गणेश जी, भगवान श्री कुबेर जी व अन्य देवताओं की मूर्ति स्थापना व अनावरण किया।

कार्यक्रम में उपस्थित लोगों को श्री हनुमान जन्मोत्सव की बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए उन्होंने कहा कि श्री हनुमान जी सर्वप्रिय और संकटमोचन हैं। श्री हनुमान जी बल, बुद्धि, विद्या, ज्ञान और गुण के सागर हैं हमें उनके आदर्शों के साथ-साथ उनके पराक्रम से सीख लेने की जरूरत है। राज्यपाल ने कहा कि हरिद्वार स्थित यह हनुमान जी का दिव्य मंदिर सभी के लिए पवित्र आस्था, श्रद्धा और विश्वास का केन्द्र बन गया है। उन्होंने कहा कि बाबा श्री हीरादास जी द्वारा हनुमान जी के मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा की गई और तभी से यहां श्रद्धालु अपनी सच्ची आस्था व भक्ति के कारण आते हैं। श्री हीरादास जी की सेवा, साधना और परोपकारी कार्यों को महामण्डलेश्वर स्वामी संतोषानंद जी आगे बढ़ा रहे हैं। राज्यपाल ने उनके सेवाकार्यों और परोपकार की प्रशंसा की। राज्यपाल ने कहा कि उत्तराखण्ड देवभूमि है। हरिद्वार की यह नगरी, कुम्भनगरी, दक्ष प्रजापति की राजधानी और शिवनगरी है। हरिद्वार एक परम पावन और पवित्र तीर्थ है। महाकुंभ हो या कांवड़ यात्रा यहां पर देश-विदेश से असंख्य श्रद्धालु अपनी आस्था को लेकर यहां आते हैं। यहां की पवित्र धरती का कण-कण दिव्य और पावन है। यह हम सभी को सौभाग्य है कि हमारे यहां इस प्रकार के तीर्थ हैं। उन्होंने कहा कि परम पवित्र आध्यात्मिक नगरी में श्री हनुमान जी की साधना के केन्द्र में संतों के बीच आकर उन्हें बेहद हर्ष हो रहा है। हनुमान जन्मोत्सव समारोह में आचार्य बालकृष्ण, महामण्डलेश्वर स्वामी शंकरानंद महाराज, महामण्डलेश्वर डॉ. संतोषानंद देव, महंत रघुमुनि महाराज, जिलाधिकारी विनय शंकर पांडेय, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अजय सिंह, मुख्य विकास अधिकारी प्रतीक जैन सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

रेपो दर में वृद्धि अभी रोकी है, पर यह सिर्फ इस बैठक के लिए है: शक्तिकांत दास

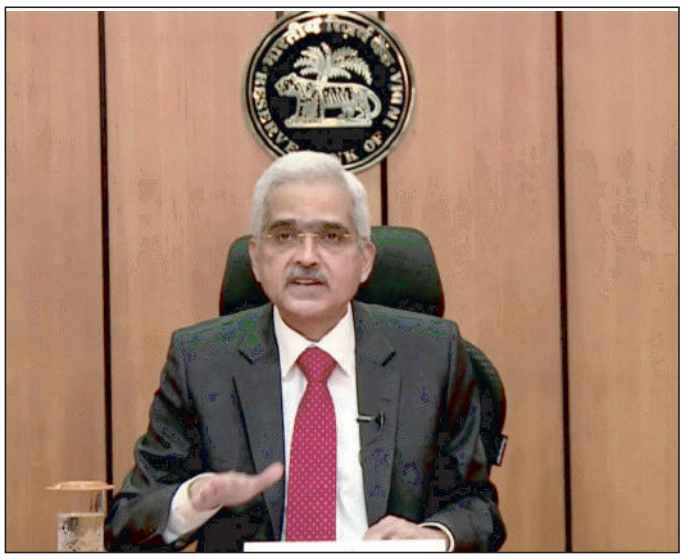

मुंबई, (भाषा)। भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास ने स्पष्ट किया है कि इस बार प्रमुख नीतिगत दर रेपो में कोई बदलाव नहीं करने का फैसला स्थाई नहीं है। उन्होंने कहा कि इस कदम को भविष्य के संकेतक के रूप में नहीं लिया जाना चाहिए, क्योंकि केंद्रीय बैंक जरूरत होने पर दरों में और वृद्धि करने में हिचकिचाएगा नहीं।

चालू वित्त वर्ष की पहली मौद्रिक समीक्षा बैठक के बाद दास ने संवाददाता सम्मेलन में कहा कि मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) भविष्य में ब्याज दर के मोर्चे पर जरूरत के लिहाज से कदम उठाएगी।

दास ने कहा, यदि मुझे एक लाइन में आज की मौद्रिक समीक्षा के बारे में बोलना हो, तो मैं यही कहूंगा कि रेपो दर में बदलाव नहीं हुआ है, लेकिन यह कदम स्थाई नहीं है। इससे पहले दिन में छह सदस्यीय मौद्रिक नीति समिति ने सर्वसम्मति से रेपो दर को 6.50 प्रतिशत पर कायम रखने का फैसला किया। हालांकि, केंद्रीय बैंक का यह फैसला विश्लेषकों के लिए हैरान करने वाला है। विश्लेषक मान रहे थे कि रिजर्व बैंक नीतिगत दर में बढ़ोतरी को रोकने से पहले रेपो दर में 0.25 प्रतिशत की एक और वृद्धि करेगा। रिजर्व बैंक ने मई, 2022 से रेपो दर में ढाई प्रतिशत की वृद्धि की है। दास ने कहा कि रिजर्व बैंक नीतिगत दर में अबतक की गई वृद्धि के प्रभाव का आकलन करना चाहेगा। दास ने कहा कि केंद्रीय बैंक का मुद्रास्फीति को निर्णायक रूप से नीचे लाने का काम समाप्त नहीं हुआ है। उन्होंने कहा कि रिजर्व बैंक की मौद्रिक समीक्षा की प्राथमिकता मूल्य स्थिरता है।

मौद्रिक समीक्षा की घोषणा करते हुए दास ने कहा कि रेपो दर को यथावत रखने का यह निर्णय सिर्फ इसी बैठक के लिए है।

रिजर्व बैंक के डिप्टी गवर्नर माइकल पात्रा ने कहा कि कच्चे तेल का औसत दाम 85 प्रति डॉलर पर रहने के अनुमान के आधार पर रिजर्व बैंक ने चालू वित्त वर्ष के लिए आर्थिक वृद्धि दर के अनुमान को मामूली बढ़ाकर 6.5 प्रतिशत कर दिया है। पहले यह अनुमान 90 डॉलर प्रति बैरल पर आधारित था।

कीमत 20 हजार से कम, मोबाइल की दुनिया में आग लगा देगा वन प्लस का नया फोन

नई दिल्ली। जब भी मोबाइल फोन लेने की बात होती है, तो ब्रांड के चर्चे हमेशा होते हैं। इसी कड़ी में टॉप ब्रांड वन प्लस ने भारतीय बाजार में नया फोन लांच किया है, जो तहलका मचाने वाला है। जानकारी के अनुसार वन प्लस ने Nord CE3 LITE स्मार्टफोन भारत में लांच किया है।

फीचर्स और कीमत

यह फोन 5जी है, जिसमें 108 मेगापिक्सल का रियर कैमरा दिया गया है। फोन दो तरह ही स्टोरेज के साथ आता है। Nord CE3 LITE में 8 जीबी रैम और 128 जीबी की इंटरनल स्टोरेज दी गई है, जिसकी कीमत 19,999 रुपए है, जबकि 256 जीबी स्टोरेज वाले फोन की कीमत 21,999 रुपए है। फोन की बिक्री 11 अप्रैल से ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों प्लेटफार्म पर होगी। फोन में 6.72 इंच की फुलएचडी डिसप्ले स्क्रीन दी गई है। फोन एंड्रॉयड 13 ओपरेटिंग सिस्टम बेस्ड है। बैटरी की बात करें तो इसमे 5000एमएच की बैटरी दी गई है, जो कि 67 वॉट चार्जिंग को स्पोर्ट करती है।

Honda Amaze की 10 सालों में बिकी 5.3 लाख से अधिक यूनिट

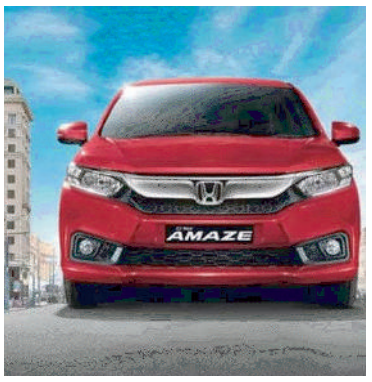

नई दिल्ली। प्रीमियम कार बनाने वाली प्रमुख कंपनी होंडा कार्स इंडिया (एचसीआईएल) ने 10 वर्षों में 5.3 लाख लोकप्रिय फैमिली सेडान होंडा अमेज़ बेची है। कंपनी ने आज यहां जारी बयान में कहा कि होंडा अमेज की 10वीं वर्षगांठ मनाई जा रही है। यह कार भारत में पहली बार अप्रैल 2013 में पेश की गई थी। इसके बाद से ही यह होंडा का सबसे ज्यादा बिकने वाला मॉडल बन गया और इस कार ने अपने सेग्मेंट और इंडस्ट्री में मार्केट में मजबूत स्थिति बना ली है।

पिछले 10 सालों में अमेज़ 5.3 लाख से अधिक उपभोक्ताओं के जीवन में खुशियां और गौरव लेकर आई है, इस समय देश में बेची जाने वाली हर दो होंडा कारों में से एक कार अमेज़ है, भारत में एचसीआईएल की बिक्री का 53 फीसदी योगदान होंडा अमेज़ करती है। अपने ग्राहकों को सबसे उन्नत प्रोडक्ट एवं सेवाएं मुहैया कराकर उनके प्रति होंडा की अटूट प्रतिबद्धता के अनुरूप, भारत में बेची जाने वाली सभी होंडा अमेज़ 2013 में अपने पहले लांच के बाद से ई20 मैटेरियल कॉम्पैटिबल हैं।

यूपीआई पर अब प्री सेंक्शंड क्रेडिट लाइन

मुंबई। रिजर्व बैंक ने यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस (यूपीआई) के माध्यम से बैंकों में प्री सेंक्शंड क्रेडिट लाइन के संचालन की अनुमति दी है। रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति की तीन दिवसीय बैठक के बाद गवर्नर शक्तिकांत दास ने बैठक में लिए गए निर्णयों की जानकारी देते हुए यह घोषणा की। उन्होंने कहा कि बैंकों में प्री सेंक्शंड क्रेडिट लाइन के संचालन की अनुमति देकर यूपीआई का दायरा बढ़ाया जाएगा। इससे नवाचार को बढ़ावा मिलेगा और ग्राहकों को क्रेडिट तक पहुंच बढ़ेगी। इसके बारे में विस्तृत जानकारी बाद में जारी की जाएगी। यूपीआई ने रिटेल भुगतान के परिदृष्य को बदला है और अब तक उसमें कई नए फीचर जोड़े जा चुके हैं। इसी क्रम में यह प्री सेंक्शंड क्रेडिट लाइन को जोडने की तैयारी है।

स्कोडा स्लाविया को क्रैश सेफ्टी में मिले 5-स्टार

चंडीगढ़। सुरक्षा और टूट-फूट के मामले में स्कोडा ऑटो इंडिया के टिकाऊ होने का दर्जा लगातार बढ़ रहा है, क्योंकि स्लाविया सेडान को हाल ही में ग्लोबल न्यू कार असेसमेंट प्रोग्राम (ग्लोबल एनसीएपी) क्रैश टेस्ट्स में 5 में से पूरे 5-स्टार्स मिले हैं। स्लाविया इस प्रकार ग्लोबल एनसीएपी द्वारा परखी गई सबसे सुरक्षित कार भी बन गई हैए भारत के लिये ज्यादा सुरक्षित कारों के मुद्दे को आगे बढ़ाती है और स्कोडा ऑटो इंडिया को भारत की एकमात्र निर्माता बनाती है, जिसके पास क्रैश-टेस्टेड कारों से भरा बेड़ा है, जिन्हें वयस्क और बाल यात्रियों के लिए 5-स्टार्स मिले हैं। स्लाविया द्वारा स्थापित किए गए सुरक्षा मानकों पर अपनी बात रखते हुए, स्कोडा ऑटो इंडिया के ब्रांड डायरेक्टर पेट्र सोल्क ने कहा स्कोडा में अपनी रणनीति के तहत हम अपने ग्राहकों की सुरक्षा से कोई समझौता नहीं करते हैं। यह बताते हुए मैं खुश हूं कि हमारी दूसरी इंडिया 2.0 कार स्लाविया को ग्लोबल एनसीएपी सुरक्षा परीक्षण में 5-स्टार रेटिंग मिली है।

10 ग्राम सोना 61 हजार पार; चांदी भी 74 हजार से ऊपर निकली, पांच वजहों से तेजी आई

नई दिल्ली। गोल्ड ने नया रिकॉर्ड बनाया है। 10 ग्राम सोना के दाम बढक़र 61 हजार रुपए तक पहुंच गए। यह अब तक का ऑलटाइम हाई है। इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन की वेबसाइट के मुताबिक आज सर्राफा बाजार में सोना 1,262 रुपए महंगा होकर 60, 977 रुपए पर पहुंच गया है। इससे पहले 31 मार्च को सोने ने अपना ऑलटाइम हाई बनाया थाए तब ये 59,751 रुपए प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया था। सके अलावा चांदी भी 74 हजार के पार निकल गई है।

आईआईएफएल के मुताबिक आज सर्राफा बाजार में चांदी 2,822 रुपए महंगी होकर 74,522 रुपए पर पहुंच गई है। ये इसका 31 महीने का हाई लेवल है। केडिया एडवाइजरी के डायरेक्टर अजय केडिया के मुताबिक सोने में 2020 से शुरू सुपर साइकिल अब भी जारी है। इस साल सोना 62,000 तक पहुंचने का अनुमान था, लेकिन मौजूदा परिस्थितियों में ये 64, 000 तक पहुंच सकता है। आईआईएफएल सिक्योरिटीज के वाइस प्रेसिडेंट अनुज गुप्ता कहते हैं कि शेयर बाजार में जारी उतार-चढ़ाव के कारण सोने को सपोर्ट मिल रहा है। इसके चलते इस साल के आखिर तक सोना 65 हजार रुपए प्रति 10 ग्राम तक जा सकता है। आईआईएफएल सिक्योरिटीज के वाइस प्रेसिडेंट (कमोडिटी एंड करेंसी) अनुज गुप्ता कहते हैं कि भले ही आपको सोने में निवेश करना पसंद हो तब भी आपको इसमें सीमित निवेश ही करना चाहिए वरना नहीं।

पैराग्लाइडिंग प्री-वर्ल्ड कप शुरू

बैजनाथ। पैराग्लाइडिंग की विख्यात घाटी बिलिंग में लंबे अंतराल के बाद हिमाचल प्रदेश पर्यटन विकास निगम के चेयरमैन एवं हिमाचल प्रदेश पर्यटन विकास बोर्ड के उपाध्यक्ष आर एस बाली द्वारा पांच से नौ अप्रैल तक आयोजित होने वाली एक्यूरेसी पैराग्लाइडिंग प्री-वर्ल्ड कप 2023 का शुभारंभ किया। इस मौके पर मुख्य संसदीय सचिव एवं बैजनाथ के विधायक किशोरी लाल विशेष रूप में उपस्थित रहे। हवन के साथ पांच दिन तक आयोजित होने बाली अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता का शुभारंभ महाकाल मंदिर के मुख्य पुजारी राम जी द्वारा मंत्रोच्चारण द्वारा हवन के साथ किया। इस मौके पर स्वामी रामा नंद ट्रस्ट संसाल के प्रबंधक राजेश शर्मा विशेष रूप से मौजूद रहे। प्रतियोगिता से पूर्व आर एस बाली ने प्रतियोगिता के सफलता पूर्वक आयोजन एवं पायलट्स की सुरक्षा के लिए रखे गए हवन में पूर्ण आहुति डाली।

उन्होंने हरी झंडी देकर प्रतियोगिता का शुभारंभ किया। इस मौके पर आरएस बाली ने कहा कि बीड़-बिलिंग में अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता का आयोजन इलाके, प्रदेश और देश के लिए गौरव की बात है। उन्होंने कहा कि बिलिंग घाटी पैराग्लाइडिंग के लिए अपनी विशेषताओं के चलते दुनियांभर की सर्वक्षेष्ठ जगहों में आंकी जाती है। उन्होंने बिलिंग पैराग्लाइडिंग एसोसिएशन को भव्य अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता की बधाई दी और सफलता पूर्वक आयोजन के लिये सामूहिक प्रयासों की सराहना की। उन्होंने बिलिंग पैराग्लाइडिंग एसोसिएशन को बिलिंग में पैराग्लाइडिंग के वल्ड कप के आयोजन के लिए भी सभी मापदंड पूरे करने के प्रयास करने का सुझाव दिया। इस मौके पर उन्होंने कहा की पैराग्लाइडिंग गतिविधियों को बढ़ाने पर हर संभव सहयोग प्रदेश की सरकार करेगी। उन्होंने कहा कि पर्यटन विभाग ने बिलिंग में पैराग्लाइडिंग प्रतियोगिता के लिए 25 लाख रुपए दिए हैं और बीड़ में ऐरो स्पोर्ट्स हॉस्टल का निर्माण भी पर्यटन विभाग द्वारा लगभग 12 करोड़ से किया गया था ताकि इस क्षेत्र में पैराग्लाइडिंग गतिविधियों को बढ़ावा मिले। एक्यूरेसी पैराग्लाइडिंग प्री-वल्ड कप 2023 कैटेगिरी-दो में कुल 142 प्रतिभागियों ने अपना पंजीकरण करवाया है। बुधवार को प्रतियोगिता में 103 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

दिल्ली कैपिटल्स के गेंदबाजी कोच अजीत अगरकर बोले, हमारे बल्लेबाज बड़ा स्कोर बनाने में असफल रहे

नई दिल्ली – दिल्ली कैपिटल्स के गेंदबाजी कोच अजीत आगरकर ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में गुजरात जायंट्स के हाथों मिली छह विकेट की हार के बाद स्वीकार किया है कि उनके बल्लेबाज अब तक टूर्नामेंट में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर सके हैं। अरुण जेटली स्टेडियम पर मंगलवार को खेले मैच में दिल्ली ने 20 ओवर में 162 रन बनाये, जबकि गुजरात ने 163 रन का लक्ष्य 18.1 ओवर में हासिल कर लिया। इससे पहले लखनऊ सुपरजायंट्स ने दिल्ली को उसके पहले मुकाबले में 193 रन का लक्ष्य दिया था, जबकि डेविड वॉर्नर की टीम 143 रन तक ही पहुंच सकी थी। आगरकर ने मैच के बाद कहा कि मुझे लगता है कि हम एक टीम के रूप में अच्छा नहीं खेले।

हमारा ऊपरी क्रम असफल रहा और कोई भी आवश्यक रन नहीं बना सका। हम दोनों मैचों में ही रन नहीं बना सके। हमें निश्चित ही सुधार करने की जरूरत है, क्योंकि हम इस टूर्नामेंट में कई मजबूत टीमों का सामना कर रहे हैं। दिल्ली की ड्रूषचताएं मुख्यतः ऊपरी क्रम से जुड़ी हैं। सलामी बल्लेबाज डेविड वॉर्नर जहां तेजी से रन बनाने में नाकाम रहे हैं।

अतंरराष्ट्रीय

अफगान महिला कर्मचारियों को काम करने से रोकने का तालिबान का फैसला स्वीकार्य नहीं : संयुक्त राष्ट्र

इस्लामाबाद। संयुक्त राष्ट्र ने कहा है कि अफगान महिला कर्मचारियों को एजेंसी में काम करने से रोकने के तालिबान के फैसले को स्वीकार नहीं किया जा सकता और यह निर्णय महिलाओं के अधिकारों का घोर उल्लंघन है। इसके एक दिन पहले संयुक्त राष्ट्र ने कहा था कि अफगानिस्तान में सत्तारूढ़ तालिबान ने उसे सूचित किया है कि वैश्विक निकाय के लिए अफगान महिलाओं के काम करने पर रोक लगा दी गई है।

उससे पहले, संयुक्त राष्ट्र मिशन ने उसकी महिला कर्मचारियों को पूर्वी नांगरहार प्रांत में काम करने से रोकने की खबरों पर गंभीर चिंता व्यक्त की थी। तालिबान ने मानवीय सहायता के वितरण को बाधित करते हुए अफगान महिलाओं के राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय गैर-सरकारी संगठनों के लिए काम करने पर भी रोक लगा दी है। लेकिन संयुक्त राष्ट्र के लिए काम करने पर रोक नहीं थी। लेकिन तालिबान ने पुराने आदेश को इस सप्ताह बदल दिया। संयुक्त राष्ट्र मिशन ने बुधवार को कहा कि तालिबान के आदेश के अनुसार किसी भी अफगान महिला को अफगानिस्तान में संयुक्त राष्ट्र के लिए काम करने की अनुमति नहीं होगी और यह कदम प्रभावी रूप से लागू किया जाएगा। संयुक्त राष्ट्र ने एक बयान में कहा कि यह प्रतिबंध अंतरराष्ट्रीय कानून के अनुसार गैरकानूनी है और वैश्विक निकाय इसे स्वीकार नहीं कर सकता।

जातिगत भेदभाव के खिलाफ विधेयक को लेकर भारतीय-अमेरिकियों ने की रैली

वाशिंगटन। अमेरिका के कैलिफोर्निया में जातिगत भेदभाव पर प्रतिबंध लगाने के वास्ते एक विधेयक पेश करने वाली डेमोक्रेटिक पार्टी की सीनेटर के खिलाफ भारतीय-अमेरिकी समुदाय के लोगों ने शांतिपूर्ण रैली की। भारतीय अमेरिकी समुदाय का कहना है कि अगर यह विधेयक पारित हो जाता है, तो यह दक्षिण एशियाई और अन्य अश्वेत लोगों के नागरिक अधिकारों का उल्लंघन होगा और उन्हें समान सुरक्षा तथा उचित प्रक्रिया से वंचित करेगा

स्टेट सीनेटर आइशा वहाब ने 22 मार्च को यह विधेयक पेश किया था। विधेयक पारित होने पर अमेरिका का सबसे अधिक आबादी वाला राज्य कैलिफोर्निया जाति-आधारित पूर्वाग्रह को खत्म करने वाला देश का पहला राज्य बन सकता है। वहाब राज्य के सदन के लिए चुनी गई पहली मुस्लिम एवं अफगानिस्तानी अमेरिकी हैं। कोलेशन ऑफ हिंदूस ऑफ नॉर्थ अमेरिका (सीओएचएनए) ने एक शांतिपूर्ण रैली का आयोजन किया। इसमें शामिल हुए लोगों ने कहा कि सीनेटर वहाब द्वारा पेश किया गया कानून हर जाति, धर्म और वंश के लोगों के लिए समानता और न्याय के मौलिक सिद्धांतों के खिलाफ है। फ्रेमोंट शहर के निवासी एवं प्रौद्योगिकी क्षेत्र में कार्यरत हर्ष सिंह ने कहा कि यह विधेयक हिंदुओं और एशियाई मूल के लोगों के खिलाफ पूर्वाग्रह उत्पन्न करता है, जो नफरत को बढ़ाएगा और उनके बच्चों को निशाने पर लाएगा।

कानून के खिलाफ पोस्टर और बैनर प्रदर्शित करते हुए, प्रदर्शनकारियों ने कैलिफोर्निया में सदन के सदस्यों से अपील की कि वे हिंदुओं को अलग-थलग न करें या यह न मान लें कि वे केवल अपने जन्म के कारण दमनकारी कृत्यों के दोषी हैं।

फिनलैंड का नाटो में शामिल होना रूस की राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा: क्रेमलिन

मॉस्को, (वार्ता)। रूस ने कहा है कि वह उत्तर अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) में फिनलैंड के शामिल होने को अपनी राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए एक अतिरिक्त खतरा मानता है। स्थानीय मीडिया ने राष्ट्रपति कार्यालय 'क्रेमलिन' के प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव के हवाले से बुधवार को यह जानकारी दी। श्री पेस्कोव ने कहा कि फिनलैंड की सदस्यता यूरोपीय महाद्वीप में स्थिरता और सुरक्षा को मजबूत करने में योगदान नहीं देती है। उन्होंने कहा, "यह हमें संपूर्ण सुरक्षा प्रणाली को पुनर्संतुलित करने के लिए आवश्यक उपाय करने के लिए बाध्य करता है।" उन्होंने कहा कि जवाबी उपायों पर चर्चा करना जल्दबाजी होगी और रूस अपनी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सब कुछ करेगा। गौरतलब है कि फिनलैंड मंगलवार को औपचारिक रूप से नाटो का 31वां सदस्य बन गया। इस अवसर पर आयोजित एक समारोह में फिनलैंड के राष्ट्रपति साउली निनिस्तो ने कहा कि देश के इतिहास में 'सैन्य गुटनिरपेक्षता का युग' समाप्त हो गया है।

छोटी खबरें

पेपर लीक में तेलंगाना भाजपा अध्यक्ष गिरफ्तार, बंदी संजय को आधी रात ससुराल से उठाकर ले गई पुलिस

करीमनगर। तेलंगाना पुलिस ने एसएससी बोर्ड का पर्चा लीक मामले में भाजपा की राज्य इकाई के अध्यक्ष एवं सांसद बंदी संजय को मंगलवार देर रात गिरफ्तार कर लिया। सहायक पुलिस आयुक्त (एसीपी) थुला श्रीनिवास के नेतृत्व में एक पुलिस दल ने उन्हें मंगलवार देर रात करीब 12 बजे उस समय हिरासत में लिया, जब वह अपनी ससुराल में थे। पुलिस उन्हें गाड़ी में बैठाकर ले गई। इस दौरान भाजपा समर्थकों और पुलिस के बीच टकराव की स्थिति भी बनी। पुलिस बंदी संजय को पहले यद्गादी भुवनगिरी जिला के बोम्माला रामाराम पुलिस स्टेशन ले गई। भाजपा कार्यकर्ता और समर्थक पुलिस कार्रवाई का विरोध करने यहां भी बड़ी संख्या में पहुंच गए। इसके बाद पुलिस ने संजय को गिरफ्तार कर लिया और बुधवार सुबह करीब 11 बजे जनगांव जिले के पालाकुर्थी में मेडिकल एग्जाम के लिए ले गई।

भाजपा के 43वें स्थापना दिवस पर सीएम योगी ने दी राष्ट्रवादी कार्यकर्ताओं को बधाई

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के 43वें स्थापना दिवस पर प्रदेश और देश के सभी भाजपा कार्यकर्ताओं को बधाई और शुभकामनाएं दीं। सीएम योगी ने अपने ऑफिशियल ट्विटर हैंडल से लिखा, 'भाजपा के 43वें स्थापना दिवस की सभी राष्ट्रवादी कार्यकर्ताओं को हार्दिक बधाई! राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा जी के यशस्वी नेतृत्व में हम सभी 'सेवा ही संगठन' को चरितार्थ करते हुए समाज के अंतिम पायदान पर खड़े प्रत्येक व्यक्ति के उत्थान के लिए प्रतिबद्ध हैं।'इस अवसर पर सीएम योगी ने भाजपा के लखनऊ स्थित प्रदेश मुख्यालय में आयोजित कार्यक्रम में भी हिस्सा लिया। इस अवसर पर उनके साथ दोनों डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी समेत तमाम कार्यकर्ता भी उपस्थित थे।

जेल में मुझे परेशान किया गया, लेकिन वे मेरी आस्था को डिगा नहीं सकेः सांसद नवनीत राणा

अमरावती (महाराष्ट्र)। महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के आवास के बाहर हनुमान चालीसा का पाठ करने का आह्वान करने के बाद अपनी गिरफ्तारी को याद करते हुए भावुक नजर आईं लोक सभा की सदस्य नवनीत राणा ने बृहस्पतिवार को दावा किया कि जेल में उन्हें परेशान किया गया था, लेकिन इससे उनकी आस्था कमजोर नहीं हुई। राणा ने बृहस्पतिवार को हनुमान जयंती और अपने जन्मदिन के अवसर पर यहां एक सभा को संबोधित करते हुए कहा कि ठाकरे का घमंड अधिक देर तक नहीं टिकेगा। मुंबई में ठाकरे के निजी आवास मातोश्री के सामने हनुमान चालीसा का पाठ करने का आह्वान करने के बाद अमरावती से निर्दलीय सांसद नवनीत और उनके पति एवं विधायक रवि राणा को पिछले साल गिरफ्तार किया गया था। उन्हें बाद में जमानत मिल गई थी। नवनीत उस समय को याद करते हुए भावुक हो गई और उन्होंने कहा कि उनके बच्चे पूछा करते थे कि उन्होंने क्या किया है और उन्हें जेल में बंद क्यों किया गया है? उन्होंने कहा, जेल में मुझे परेशान किया गया, लेकिन वे मेरी आस्था को नहीं डिगा पाए।

जिन लोगों ने पार्टी को खड़ा करने में खून बहाया उन्हें प्रणाम, भाजपा के स्थापना दिवस पर बोले पीएम मोदी

नईदिल्ली। भाजपा आज अपना 44वां स्थापना दिवस मना रही है। 1980 में आज के ही दिन पार्टी की स्थापना हुई थी। शुरुआत में पार्टी का नाम जनसंघ था जिसका 1977 में जनता पार्टी में विलय हो गया था। भाजपा के स्थापना दिवस के मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। इस मौके पर पीएम ने कहा कि जिन लोगों ने पार्टी को खड़ा करने और बढ़ाने में अपना खून दिया है मैं उन महानुभावों को शीश झुकाकर प्रणाम करता हूं।

पीएम मोदी ने कहा कि भाजपा वो पार्टी है जिसके लिए राष्ट्र सदा सर्वोपरि रहा है। एक भारत-श्रेष्ठ भारत जिसकी आस्था का मूलमंत्र रहा है। जब जनसंघ का जन्म हुआ था तो हमारे पास न ज्यादा सियासी अनुभव था, न साधन थे, न संसाधन थे लेकिन हमारे पास मातृभूमि के प्रति भक्ति और लोकतंत्र की शक्ति थी। पीएम मोदी ने कहा कि जब हनुमान जी को राक्षसों का सामना करना पड़ा था तो वो उतने ही कठोर भी हो गए थे। इसी प्रकार से जब भ्रष्टाचार की बात आती है, जब परिवारवाद की बात आती है, कानून व्यवस्था की बात आती है तो भाजपा उतनी ही संकल्पबद्ध हो जाती है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि जब लक्ष्मण जी पर संकट आया तब हनुमान जी पूरा पर्वत ही उठाकर ले आए। भाजपा भी इसी प्रेरणा से परिणाम लाने में लोगों की समस्याओं का समाधान करने का प्रयास करती रही है, करते रहना है, करते रहेंगे । आज हम देश के कोने-कोने में भगवान हनुमान की जयंती मना रहे हैं। हनुमान जी का जीवन आज भी हमने भारत की विकास यात्रा में प्रेरणा देते हैं। आज भारत समंदर जैसी विशाल चुनौतियों को पार करने और उनका मुकाबला करने में पहले से ज्यादा सक्षम है।

विधायकी छिनने के मामले में आजम के बेटे को राहत नहीं; सुप्रीम कोर्ट ने कहा, पहले इलाहाबाद हाई कोर्ट जाएं

नई दिल्ली। समाजवादी पार्टी नेता और पूर्व सांसद आजम खान के बेटे मोहम्मद अब्दुल्ला आजम को सुप्रीम कोर्ट से राहत नहीं मिली है। सुप्रीम कोर्ट ने अब्दुल्ला आजम खान को इलाहाबाद हाई कोर्ट का रुख करने को कहा है। इसके साथ ही हाई कोर्ट को निर्देश दिया है कि उनकी याचिका पर जल्द से जल्द सुनवाई कर फैसला करें। अदालत ने इस मामले में अब्दुल्ला आजम को दस अप्रैल को कोर्ट के समक्ष पेश होने को कहा है।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हाई कोर्ट यह भी देखे कि अब्दुल्ला वाली सीट पर चुनाव आयोग जल्द चुनाव की अधिसूचना जारी करें। दरअसल 15 साल पुराने मामले में दोषी ठहराए जाने और दो साल कैद की सजा सुनाए जाने के बाद अब्दुल्ला आजम की विधायकी रद्द कर दी गई थी। इसके खिलाफ उन्होंने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की थी। सुप्रीम कोर्ट के समक्ष याचिका दायर करते हुए उन्होंने अपनी दोषसिद्धि पर रोक लगाने की सुप्रीम कोर्ट से मांग की है।

झारखंड के शिक्षा मंत्री जगरनाथ महतो का निधन, सीएम सोरेन बोले- नहीं रहे हमारे टाइगर

रांची। झारखंड के शिक्षा मंत्री जगरनाथ महतो का चेन्नई में इलाज के दौरान गुरुवार सुबह निधन हो गया। जगरनाथ महतो डुमरी विधानसभा क्षेत्र से वर्ष 2019 में विधायक चुने गए थे। वह कई बार झारखंड विधानसभा के सदस्य रहे। उल्लेखनीय है कि बीते 14 मार्च को मंत्री महतो की तबीयत बिगड़ गई थी। इसके बाद उन्हें इलाज के लिए रांची के पारस अस्पताल में भर्ती कराया गया था। बाद में उन्हें एयरलिफ्ट कर चेन्नई ले जाया गया था। वहीं, दूसरी ओर शिक्षा मंत्री महतो के निधन पर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने अपना शोक व्यक्त करते हुए इसे अपूरणीय क्षति बताया है। मुख्यमंत्री ने ट्वीट कर लिखा है कि हमारे टाइगर जगरनाथ दा नहीं रहे । आज झारखंड ने अपना एक महान आंदोलनकारी, जुझारू, कर्मठ और जनप्रिय नेता खो दिया । झारखंड विधानसभा के अध्यक्ष रविंद्र नाथ महतो ने भी निधन पर दुख प्रकट किया है और कहा कि वह एक जुझारू और आंदोलनकारी नेता थे। इसके अलावा पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास ने शिक्षा मंत्री महतो के आकस्मिक निधन दुख जताया है। उन्होंने ट्विटर पर लिखा है कि ईश्वर उनकी आत्मा को अपने चरणों में स्थान दें।

पहले ओवान, अब आशा भी फरार, कूनो नेशनल पार्क से मादा चीता निकली बाहर, पीएम ने किया था नामकरण

भोपाल। मध्य प्रदेश के कूनो नेशनल पार्क से एक बड़ी खबर आई है। बीते दिनों नामीबिया से आया ओवान नाम का एक चीता यह नेशनल पार्क छोडक़र गांव की ओर निकल गया था। ओवान के बाद एक और मादा चीता कूनो से बाहर निकल गई है। इस मादा चीते का नाम आशा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस मादा चीते का नाम आशा रखा था। आशा की मूवमेंट बिजयपुर और बीरपुर इलाके के जंगल के पास देखी गई है। कूनो नेशनल पार्क से गांव की ओर निकला ओवान नाम का चीता अभी तक कूनो लौटा नहीं है। बुधवार को मादा चीता आशा भी कूनो से गायब हो गई। वन विभाग के अधिकारियों का कहना है कि दोनों चीतों की निगरानी की जा रही है। मिली जानकारी के मुताबिक, आशा नदी-नालों के पास ज्यादातर समय गुजार रही है। कूनो नेशनल पार्क से गायब हुआ ओवान अभी तक वापस नहीं लौटा है। मिली जानकारी के मुताबिक, आशा की करंट लोकेशन

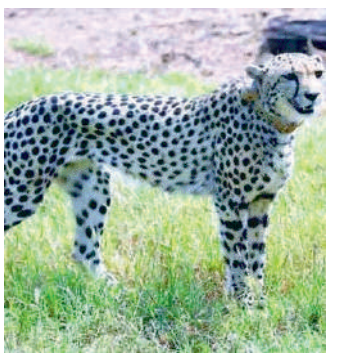

बिजयपुर इलाके के एक जंगल में बताई जा रही है। बता दें कि रविवार को कूनो से बाहर निकलकर ओवान नाम का चीता नजदीक के एक गांव में पहुंच गया था। चीते को गांव में देखकर लोगों के होश उड़ गए थे। इसी बीच आशा नाम की एक मादा चीता भी कूनो से बाहर निकल गई है। चीता ओवान ने बुधवार को चिंकारा का शिकार किया था। इसके पहले शनिवार को उसने गाय का शिकार किया था।

अडानी पर कांग्रेस का ब्लैक प्रोटेस्ट, जेपीसी की मांग पर अड़ा विपक्ष, संसद की कार्यवाही स्थगित

नई दिल्ली। संसद के चालू बजट सत्र के दूसरे चरण में दोनों सदन हंगामे के कारण नहीं चल पा रहे हैं। संसद के बजट सत्र का समापन गुरुवार यानी छह अप्रैल को होना है। समापन से पहले दोनों सदन चलने की उम्मीद थी, लेकिन ऐसा होता नहीं दिख रहा। अडानी-हिंडनबर्ग मामले पर संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) की मांग को लेकर विपक्ष अड़ा हुआ है। कांग्रेस के सांसदों ने बुधवार को भी ब्लैक प्रोटेस्ट किया। बुधवार को दोनों सदनों में कार्यवाही शुरू होते ही विपक्ष ने हंगामा कर दिया। नारेबाजी और हंगामे के कारण दोनों सदनों की कार्यवाही पहले दोपहर दो

बजे तक और फिर गुरुवार तक के लिए स्थगित कर दी गई। लोकसभा में अडानी मामले में संयुक्त संसदीय समिति के गठन की मांग को लेकर विपक्ष के भारी हंगामा किया। पीठासीन अधिकारी रमा देवी ने एक बार स्थगन के बाद दो बजे जैसे ही सदन की कार्यवाही शुरू की विपक्ष के सदस्य हाथों तख्तियां लेकर आसन के समक्ष आकार नारेबाजी करने लगे। भारी हंगामे के बीच ही केंद्रीय मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी मंत्री पुरुषोत्तम रूपाला ने तटीय जलकृषि प्राधिकार संशोधन विधेयक 2023 को पेश किया। पीठासीन अधिकारी के बार-बार आग्रह के बाद विपक्षी सदस्य अपने स्थान पर नहीं गए जिसके कारण सदन की कार्यवाही दिनभर के लिए स्थगित कर दी गई।

वहीं राज्यसभा में सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच गतिरोध बुधवार को भी जारी रहा। राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडग़े के उस व्यवस्था के प्रश्न को खारिज कर दिया, जिसमें उन्होंने कहा था कि उस समय लोकसभा सांसद रहे राहुल गांधी पर चर्चा नहीं हो सकती।

गन्ने का जूस

रोज क्यों पीना चाहिए

अब धीरे-धीरे लोगों को गर्मी का अहसास होने लगा है. यानी गर्मियों ने दस्तक दे दी है. इस बार पारे में आए उछाल को देखते हुए यह अनुमान लगाया जा रहा है कि भीषण गर्मी पड़ने वाली है. ऐसे में चिलचिलाती धूप और लू से खुद को बचाने के लिए अपने खानपान में उचित बदलाव करना बेहद जरूरी है. गर्मियों का मौसम आते ही बाजार में गन्ने का जूस दिखने लगता है. शरीर को ठंडक पहुंचाने के लिए गन्ने का जूस बहुत फायदेमंद भी होता है. दरअसल, ठंडी तासीर होने की वजह से गन्ने का जूस कोल्ड ड्रिंक्स के तौर पर काम करता है. इसलिए गर्मियों में कोल्ड ड्रिंक या सॉफ्ट ड्रिंक पीने की जगह गन्ने के जूस का सेवन करें।

गन्ने का रस पीने से बढ़ेगी इम्यूनिटी-

शुगरकेन या गन्ना में कार्बोहाइड्रेट, प्रोटीन, कैल्शियम, फॉस्फोरस, आयरन के अलावा जिंक की अच्छी मात्रा होती है। जब आप गन्ने का सेवन करते हैं तो इन सभी मिनरल्स और पोषक तत्वों का फायदा आपको मिलता है। इसके साथ ही ईख में नैचुरल शुगर और ग्लूकोज़ भी होता है। ये सभी तत्व शरीर का पोषण करते हैं। इसके अलावा गन्ने में विटामिन सी का स्तर भी काफी अधिक होता है। तो, वहीं इसमें कई प्रकार के एंटी-ऑक्सिडेंट्स भी होते हैं। जिनसे, इम्यून सिस्टम स्ट्रॉन्ग बनता है। गन्ने का जूस डायजेस्टिव डिसॉर्डर्स, लिवर की बीमारियों, रेस्पेरेटरी इंफेक्शन्स को भी कम करता है। जिससे, शरीर में इंफ्लेमेशन कम होता है। इससे, कमज़ोरी भी दूर होती है। इस तरह गन्ने का जूस पीने से वायरल और मौसमी बीमाररियों से सुरक्षा मिलती है।

स्ट्रेस बस्टर फूड है गन्ने का रस

कोविड इंफेक्शन से इस प्रकार भी सुरक्षा देता है गन्ने का जूस। जैसा कि लॉकडाउन के दौरान लोग बहुत अधिक तनाव महसूस कर रहे हैं। जो, उनकी सेहत के लिए बहुत नुकसानदायक है। क्योंकि, यह इम्यूनिटी को भी प्रभावित करता है। गन्ने का जूस पीने से स्ट्रेस कम होता है। जर्नल 'साइंटिफिक रिपोर्ट्स में कुछ समय पहले एक रिसर्च पेपर छापा गया। जिसमें, लिखा गया कि ईख या गन्ने में ऑक्टाकोसैनल नामक कम्पाउंड पाए जाते हैं। ये तत्व तनाव कम करते हैं।

लाभ

- नैचुरल एनर्जी ड्रिंक है गन्ने का रस जिसे पीने से तुरंत एनर्जी मिलती है।
- नींद न आने की परेशानी या अनिद्रा से आराम दिलाता है गन्ने का जूस।
- पाचक शक्ति को बढ़ाकर पेट की समस्याएं कम करता है।

फायदे:

1. इम्यूनिटी:

गन्ने के जूस को इम्यूनिटी के लिए काफी फायदेमंद माना जाता है. गन्ने के जूस में फोटोप्रोटेक्टिव और एंटीऑक्सीडेंट गुण पाए जाते हैं, जो इम्यूनिटी को मजबूत बनाने में मदद कर सकते हैं.

2. यूरिन:

कई लोगों को यूरिन करते समय दर्द, जलन या असहजता महसूस होती है. ऐसे लोगों को गन्ने के जूस का सेवन करना चाहिए. गन्ने का जूस यूरिन संबंधी समस्याओं को दूर करने में मदद कर सकता है.

3. डिहाइड्रेशन:

गर्मियों के मौसम में डिहाइड्रेशन की समस्या से बचने के लिए पानी का ज्यादा से ज्यादा सेवन करना चाहिए. आपको बता दें कि डिहाइड्रेशन से शरीर को कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है. गन्ने के जूस को डाइट में शामिल कर डिहाइड्रेशन की समस्या से बचा जा सकता है.

4. डायबिटीज:

डायबिटीज रोगी गन्ने के जूस का सेवन कर सकते हैं. क्योंकि गन्ने के जूस में आइसोमाल्टोज नामक तत्व पाया जाता है. आइसोमाल्टोज में ग्लाइसेमिक की मात्रा कम होती है और कम ग्लाइसेमिक इंडेक्स वाले फूड्स डायबिटीज के मरीजों में रक्त शर्करा को नियंत्रित करने में मदद कर सकते हैं.

5. एनर्जी:

गन्ने के जूस में कार्बोहाइड्रेट्स भरपूर मात्रा में पाया जाता है जो शरीर में एनर्जी के लेवल को बनाएं रखने में मदद कर सकता है. अगर आपको एनर्जी की कमी महसूस होती है तो आप गन्ने के जूस का सेवन कर सकते हैं.

6. वजन:

गन्ने में फइबर की अच्छी मात्रा पाई जाती है. डाइटरी फाइबर वजन कम करने के साथ-साथ लिपिड को नियंत्रित करने और ग्लूकोज को तोड़कर ऊर्जा बनाने में सहायक हो सकता है. खाली पेट गन्ने का जूस पीने से वजन को कम किया जा सकता है.

7. पेट:

अगर आपको पेट संबंधी समस्या है तो आप गन्ने के जूस का सेवन करें, क्योंकि गन्ने में फाइबर, विटामिन और मिनरल के गुण पाए जाते हैं, जो पेट से जुड़ी समस्याओं को दूर करने में मदद कर सकते हैं।

2. लिवर के लिए फायदेमंद

गन्ने का जूस लिवर के लिए काफी फायदेमंद है. इसे पीने से लिवर को डिटॉक्सीफाई करने में मदद मिलती है. दरअसल, गन्ने के रस में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट्स लिवर से विषाक्त पदार्थों को बाहर निकालने में मदद करता है, जिससे वह इंफेक्शन से बचा रहता है. साथ ही पीलिया (जॉन्डिस) होने पर भी गन्ने का जूस पीना फायदेमंद माना गया है.

3. त्वचा के लिए गुणकारी

एंटीऑक्सीडेंट तत्वों से भरपूर गन्ने का रस हमारी त्वचा के लिए भी काफी गुणकारी होता है. इसके सेवन से न सिर्फ फ्री रेडिकल्स का असर कम होता है, बल्कि यह हमें खतरनाक यूवी किरणों से भी बचाता है. इसके अलावा असमय आने वाली झुर्रियों को भी यह निजात दिलाता है. साथ ही गन्ने का रस पीने से स्किन चमकदार बनती है और मुंहासे भी दूर होते हैं।

पीलिया के मरीजों के लिए रामबाण है गन्ने का जूस

यह तो आप जानते हैं कि चीनी का उत्पादन करने वाली मुख्य फसलों में एक नाम गन्ने का भी शामिल है. दुनिया की 70 प्रतिशत चीनी गन्ने के इस्तेमाल से बनती है, जबकि बाकी 30 प्रतिशत चीनी का निर्माण चुकंदर की फसल से होता है. दुनियाभर में गन्ना 36 अलग-अलग किस्मों में पाया जा सकता है. इसमें जीरो फैट होता है और तो और ये पूरी तरह से नेचुरल होता है. भारत में कई लोगों को गन्ने का रस पीना बहुत पसंद होता है. इस ड्रिंक को मेहमानों को भी शौक से परोसा जाता है. आइए जानते हैं कि गन्ने का जूस पीने से स्वास्थ्य को कैसे-कैसे फायदे मिल सकते हैं।

गर्मी में गन्ने का जूस पीने के फायदे

- गन्ने में मौजूद नेचुरल शुगर फ्लेवोन के साथ मिलकर ग्लाइकोसाइड्स बनाता है. ग्लाइकोसाइड्स बॉडी पर एल्कलाइन और एंटी इंफ्लेमेटरी इफेक्ट छोड़ते हैं. ये हमारे लिवर और किडनी को सोपर्ट देकर टॉक्सिन्स यानी विषाक्त पदार्थों से छुटकारा दिलाने में मदद भी करते हैं।
- गन्ने का जूस आपके लीवर को मजबूत बनाने का काम कर सकता है. इसके अलावा, ये पीलिया के मरीजों के लिए भी एक हेल्दी ड्रिंक है. गन्ने के जूस में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट लिवर को इन्फेक्शन से बचाते हैं और बिलीरुबिन के लेवल को कंट्रोल में रखते हैं.
- गन्ने में मौजूद सुक्रोज की मात्रा आपके शरीर को एनर्जी प्रदान करती है।
- सबसे प्रमुख अल्फा हाइड्रॉक्सी एसिड में से एक ग्लाइकोलिक एसिड होता है जो गन्ने में पाया जाता है. यही वजह है कि गन्ने का जूस पीने से स्किन को ग्लोइंग बनाए रखने में मदद मिल सकती है.
- गन्ने के जूस को अदरक के रस के साथ पीने से प्रेग्नेंट महिलाओं की मॉर्निंग सिकनेस को दूर करने में मदद मिल सकती है।
- गन्ने का जूस मैग्नीशियम, कैल्शियम और आयरन का एक अच्छा सोर्स माना जाता है. इसका रोजाना सेवन करने से इम्यूनिटी को बढ़ावा मिलता है और शरीर में जरूरी मिनरल्स की कमी दूर होती है. गन्ने के जूस को पीते समय आपको एक बात का ध्यान जरूर रखना है और वो ये कि इसका सेवन बनाने के 15 मिनट के अंदर करना चाहिए. क्योंकि ये जल्दी ऑक्सीडाइज हो जाता है।

स्वामी, मुद्रक प्रकाशक/संपादक- विकास गर्ग ने भगवती प्रिंटिंग प्रेस, इंडस्ट्रियल एरिया, हरिद्वार उत्तराखंड से मुद्रित करवाकर 54 आवास विकास, विवेक विहार, रानीपुर मोड़, हरिद्वार उत्तराखंड से प्रकाशित किया।
प्रकाशक / संपादक: विकास गर्ग- फोन : 9897766448, : मुख्य संपादक / सुमित तिवारी- फोन : 8077771906: Email : uttarakhandprahari19@Gmail.com